उत्तर प्रदेश में जल्द पेराई शुरू करेंगी चीनी मिलें: पासवान

[ईटी ब्यूरो | नई दिल्ली]

उत्तर प्रदेश में गन्ने की पेराई का नया सीजन नवंबर के दूसरे पखवाड़े में शुरू होना है। फूड मिनिस्टर राम विलास पासवान ने गुरुवार को कहा कि राज्य की शुगर मिलें किसानों को भुगतान कर रही हैं और इन्हें जल्द ऑपरेशंस शुरू करना चाहिए। उनका कहना था, 'केंद्र सरकार शुगर इंडस्ट्री के लिए जो भी कर सकती है, वह उसने किया है। मिल मालिकों को किसानों को पेमेंट कर मिलें शुरू करनी चाहिए।' पासवान ने कहा कि शुगर मिलें किसानों को लगातार पेमेंट कर रही हैं और अब किसानों का मिलों पर 5,957 करोड़ रुपये बकाया है, जो पहले 14,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का था।

उत्तर प्रदेश की चीनी मिलों का आरोप है कि राज्य की ओर से गन्ने के लिए ऊंची कीमत तय करने से उन्हें भुगतान करने में मुश्किल होती है। मिलें सरकार से गन्ने और चीनी की कीमतों को जोड़ने के लिए कह रही हैं, जैसा महाराष्ट्र और कर्नाटक में किया जाता है। पासवान ने कहा कि सरकार ने स्थानीय इंडस्ट्री की मदद के लिए काफी कोशिश की है और चीनी पर इम्पोर्ट ड्यूटी 15 पर्सेंट से बढ़ाकर 25 पर्सेंट, इंटरेस्ट-फ्री लोन देने, एक्सपोर्ट के लिए इंसेंटिव की पेशकश और पेट्रोल में एथनॉल की कंपलसरी ब्लेंडिंग पांच से बढ़ाकर 10 पर्सेंट करने जैसे कदम उठाए गए हैं। उनका कहना था, 'हमारा मानना है कि मिलों को व्यावहारिक नजरिया अपनाना चाहिए। अगर मिलें बंद होती हैं तो किसान गन्ने की जगह नकदी फसलों की खेती कर सकते हैं। लेकिन मिलों का क्या होगा? वे अपनी मशीनरी का इस्तेमाल मिल्क प्रोसेसिंग के लिए नहीं कर सकती।'देश में उत्तर प्रदेश ऐसा राज्य है जहां मिलों को सबसे ज्यादा एरियर का भुगतान करना है। राज्य सरकार ने गन्ने की कीमत 280 रुपये प्रति क्विंटल तय की है, जबकि केंद्र ने इसे 210 रुपये प्रति क्विंटल रखा है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल अबिनाश वर्मा ने कहा कि देश में चीनी का एक्स-मिल प्राइस पिछले तीन-चार महीनों में गिरा है और रेवेन्यू रियलाइजेशन एक वर्ष पहले के मुकाबले कम हुआ है। उन्होंने बताया, 'उत्तर प्रदेश में एक्स-मिल चीनी का दाम 29 रुपये और महाराष्ट्र में 27 रुपये प्रति किलोग्राम है।

मिलों की तरफ से लगातार पेमेंट किए जाने के बाद भी मिलों पर अभी तक 5,957 करोड़ रुपये बकाया हैं

इकनॉमिक टाइम्स

10/10/14